

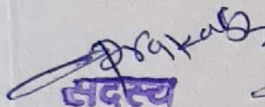
२४.६.१८

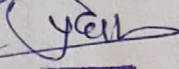
पन्नावली वेश हुई। ग्राम सबाना की जमाबंदी सैक्ट
२०६५-६८ करवाता सं. नया-पुराना ३१२-५८५
कुल खसरा ५ कित्ता ७.०८.०० बिघा धुकल कन्दन-दा
कुमा बैवा नन्दा हिस्सा १/२ घिसा कन्द ~~ब~~ चौधू,
बरजी बैवा चौधू हि. १/२ कौम चमार के नाम दर्ज है
नामान्तरकरण सं. १५२ दिनांक ९.६.०६ में हरदेव को
ना. झौलाद फौत बताकर नामान्तरकरण खोलना गमा
है हरदेव बैवा की मृत्यु दिनांक १५.०३.८२ को
हुई है तथा हरदेव बैवा की पत्नी सुगनी की मृत्यु
१०.३.९६ को हुई है

सरपंच ग्राम पंचायत सराना द्वारा

जारी खजरा प्रमाणपत्र जो दिनांक १५.२.२०१२ का
है में हरदेव पुत्र रामा बैवा के दो उत्तराधिकारी
बताये गये हैं जिलमे पत्नी सुगनी फौत, सुधा
तथा मदन पुत्र बताया गया है मही मदन वादी है
अतः नामान्तरकरण सं. १०५२ दिनांक ९.६.०६
में हरदेव को ना. झौलाद फौत बताया जाना गमत
पात्रा गमा है अतः वादी का वाद स्वीकार किया
जाता है तथा वादी को वाद वर्णित आराजी में
१/३ हि. का खातेदार कारतकार धोषित किया
जाता है वादी का नाम प्रतिवादी गण के साथ
जोड़ा जाता है प्रतिवादी सं. ! लगायत ५ उनके
वारीबान, मजदूर एवं मित्रगण हिंशी एवं अन्य
परिवारजन हाली, सिरी इत्यादी को जरिमे
स्थानी विषेधाज्ञा पाबन्द किया जाता है। सि

वै वाद पठित आराजिमात जिलमे वादी का 1/3 हिस्सा
सिद्धि ह्ये उससे वादी का जबरन बेदखल नही करे। नही
वादी के हिस्से का किली अन्य का रहन, बेचान, अन्तरण
करे। व राजस्व रिकोर्ड में भी कोई परिवर्तन नही करे।
न ही वादी का बेदखल करे।


सदस्य
लोक अदालत
बखारा


सदस्य
लोक अदालत
बखारा

15
आयुक्त
लोक अदालत शिविर
सरदार (अजमेर)